जीवन और फसलों की बरबादी हो जाती है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा है कि इतने बड़े पैमाने पर कैलेमिटी रिलीफ फण्ड दिया जाता है लेकिन यह उचित आदमियों को नहीं मिल पाता है। आज देखते हैं जब बाढ़ का पानी सब तरफ भर जाता है तो हेलीकाप्टर से, हवाई जहाज़ से, किश्तियों से सेना के जबानों द्वारा लोगों को खाने का सामान बांटा जाता है। हमें बाढ़ को परमानेंट रूप से रोकने के लिए योजना बनानी चाहिये। बांध बना कर छोटे छोटे हाइडल पावर स्टेशन बनाने चाहियें। नदियों के पेटे में जहां मिट्टी जम गई है उसको खोद कर ठीक करना चाहिये तब जाकर हम नदियों को कंट्रोल कर सकते हैं। मैं अंत में एक बात कहना चाहता हूं यह जो बाढ़ की समस्या है इससे हमें युद्ध स्तर पर निपटने का इन्तज़ाम करना होगा। आज की दुनिया में यह कोई नामुमकिन चीज़ नहीं है। हमारे पास सामर्थ्य है, टेक्नोलोजी है, लोगों का सहयोग हमारे पास है, इस काम के लिए रुपया भी है। इसलिए अगर देश को बाढ़ की विभीषिका से बचाना है, परमानेंटली बाढ़ को रोकना है तो हमें वार फुटिंग पर कार्य करना होगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): With leave of the House, I will request the Parliamentary Affairs Minister to announce the Government Business for the next week.

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR 16TH AND 17TH AUGUST 1990

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI JAGDEEP DHANKHAR): Sir, with your permission, I rise to announce that Government Business in this House for Thursday, the 16th and Friday the 17th August 1990 will consist of:

(1) Consideration and passing of the Participation of Workers in the Management Bill, 1990;

(2) Discussion on the resolution regarding proclamation issued in relation to the State of Jammu and Kashmir;

(3) Discussion on resolution seeking disapproval of the Armed Forces (Jammu and Kashmir) Special Power Ordinance, 1990;

(4) Consideration and passing of the Armed Forces (Jammu and Kashmir) Special Powers Bill, 1990, as passed by the Lok Sabha; and

(5) Consideration and passing of the National Commission for Women Bill, 1990, as passed by the Lok Sabha.

RESOLUTION RE. RECURRING FLOODS IN BIHAR—*Contd.*

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, श्रीमती कमला सिन्हा ने जो प्रस्ताव रखा है, उस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए मैं इस समस्या पर थोड़ा और विस्तार से रोशनी डालना चाहूंगी। यह हकीकत है कि आजादी के 42 वर्षों के बाद भी हमारे देश के प्राकृतिक जल संसाधनों को सही ढंग से इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके चलते अगर बाढ़ से उत्पन्न विभीषिका को मैं दुष्यंत के शब्दों में व्यक्त करूं तो सिर्फ इतना ही कहूंगी कि बाढ़ की संभावनाएं सामने हैं और नदियों के किनारे घर बने हैं। तो महोदय, हालत यह है कि हर वर्ष बाढ़ से हमारे देश की करोड़ों अरबों की सम्पत्ति का नाश होता है। इसी संदर्भ में श्रीमती कमला सिन्हा ने जो समस्याएं उठाई और नदियों के अन्तर्राज्यीय और अन्तर्राष्ट्रीय चरित्र को बताते हुए जिन समस्याओं का जिक्र किया उन्हीं समस्याओं से जोड़ते हुए मैं पश्चिम बंगाल की बात को रखना चाहूंगी कि किस तरह से बिहार में जब बाढ़ आती है तो उससे पश्चिम बंगाल भी प्रभावित होता है। बिहार की दामोदर नदी में जब जल बढ़ने लगता है और दामोदर बांध पर जब जल का दबाव और ज्यादा बढ़ने लगता है तो काफी मात्रा में जल बंगाल की ओर छोड़ दिया जाता है। इसके चलते बंगाल के कई जिलों बर्दवान, हुगली, बीरभूम आदि में करोड़ों रुपये की तबाही होती है, फसलें नष्ट हो जाती हैं। यह तो भयावह समस्या है इससे हर वर्ष पश्चिम बंगाल को गुजरना पड़ता है। मैं इस सदन का तथा सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि पश्चिम बंगाल को हर वर्ष जिस विपदा का सामना करना पड़ता है उस विपदा